Total Pages 02 PKC/PG/IS/SAN-102/17

**2017**

**M.A.**

**1st Semester Examination**

**SANSKRIT**

**PAPER – SAN – 102**

***Full Marks : 50***

***Time : 2 Hours***

***Answer all questions***

***The figures in the right hand margin indicate marks***

***Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable***

***Illustrate the answers wherever necessary***

**सर्वेषां प्रश्नानां संस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या च उत्तरं प्रदेयम्-**

1. ऋग्वेदस्य पौरुषेयत्वमपौरुषेयत्वम्वेति सायणोक्तदिशा प्रतिपाद्यताम्। **10**

**अथवा**

वेदस्य विधिभागस्य प्रामाण्यं पूर्वपक्षमतनिरासपूर्वकं निरूपयत।

2. केनोपनिषदः कस्मिन् वेदेऽन्तर्भावः। तत्रत्यब्रह्मतत्त्वमुपस्थापयत। **10**

**अथवा**

**मन्त्रद्वयस्य व्याख्या कार्या।** **5X2**

क) केनेषितं पतति प्रेषितं मनः केन प्राणः प्रथमः प्रैति युक्तः।
केनेषितां वाचमिमां वदन्ति चक्षुः श्रोत्रं क उ देवो युनक्ति॥

ख) श्रोत्रस्य श्रोत्रं मनसो मनो यद् वाचो ह वाचं स उ प्राणस्य प्राणः।
चक्षुषश्चक्षुरतिमुच्य धीराः प्रेत्यास्माँल्लोकादमृता भवन्ति॥

***(Turn Over)***

ग) यत्प्राणेन न प्राणिति येन प्राणः प्रणीयते।
तदेव ब्रह्म त्वं विद्धि नेदं यदिदमुपासते॥

**3. अधस्तनेषु निरुक्तवचनेषु द्वयोः यास्काचार्यदिशा व्याख्या कार्या।** **7X2**

क) व्याप्तिमत्त्वात्तु शब्दस्य।

ख) न निर्वद्धा उपसर्गा अर्थान्निराहुरिति शाकटायनः।

ग) भावप्रधानमाख्यातं , सत्त्वप्रधानानि नामानि ।

**4. अधस्तनेषु पदत्रयस्य निर्वचनं क्रियताम्।** **3X2**

क) आचार्यः।

ख) गौः।

ग) वैश्वानरः।

घ) समुद्रः।

**(*Internal Assessment :10 marks*)**

**समाप्तम्**